आजाद का ऊंट

एरिका पालो

आजाद का ऊंट

अरब के एक बड़े शहर में, एक अनाथ लड़के को ऊंट सवार (जॉकी) के रूप में काम करने के लिए मजबूर किया जाता है - एक खतरनाक काम जो उसे पसंद नहीं है.

लेकिन एक नई दोस्ती और रेगिस्तान में एक जादुई पलायन से उसका जीवन बदल जाता है...

FRANCES LINCOLN
CHILDREN'S BOOKS

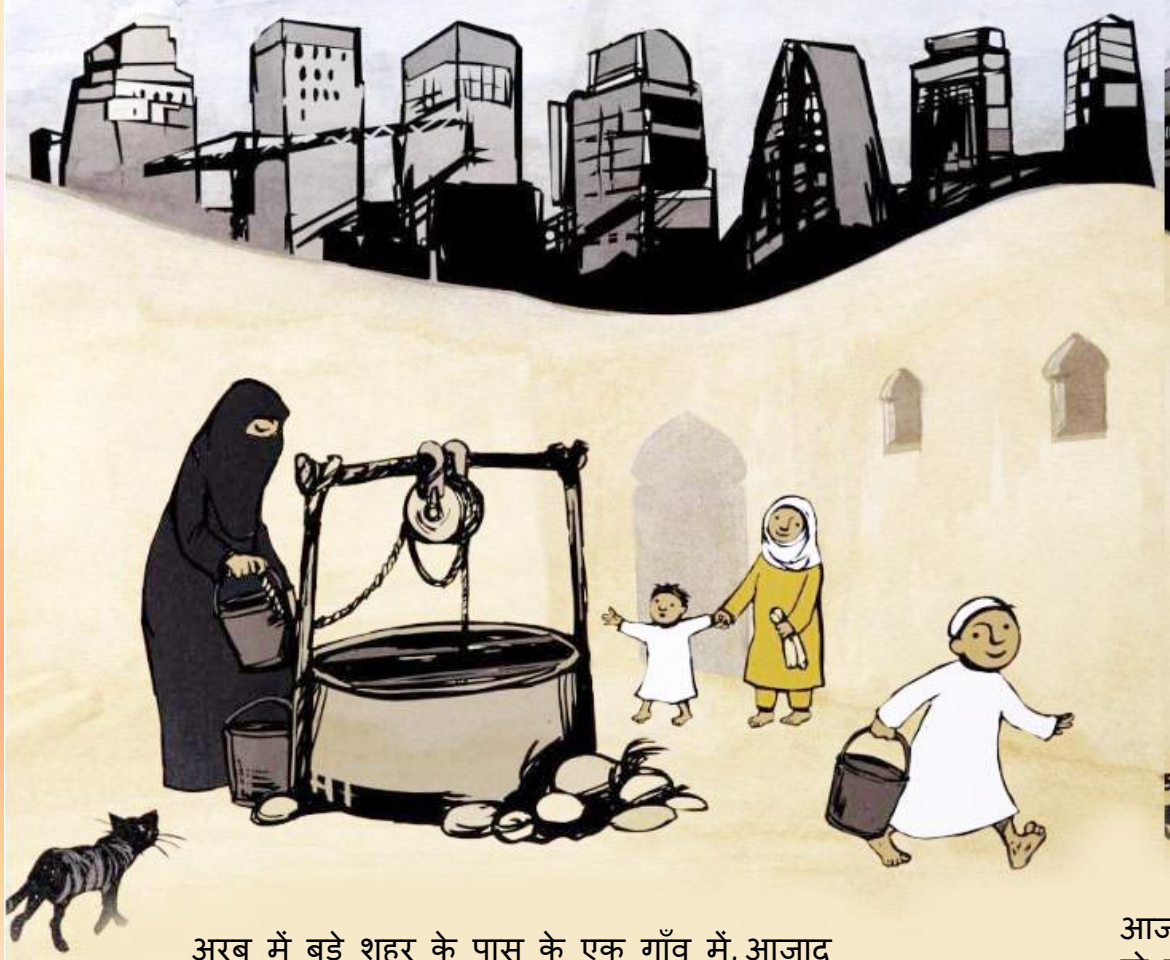

अरब में बड़े शहर के पास के एक गाँव में, आज़ाद नाम का एक छोटा अनाथ लड़का रहता था.

आजाद अपने बूढ़े चाचा के साथ रहता था. वो उनकी चाय बनाने के लिए पानी लाता था और उनकी बकरी की देखभाल की.

दोपहर में आजाद अपने दोस्तों के साथ खेलता था. आजाद फ़ुटबाल के गोलपोस्ट पर सिर के बल खड़ा हो जाता था - उस समय वो शानदार लगता था!

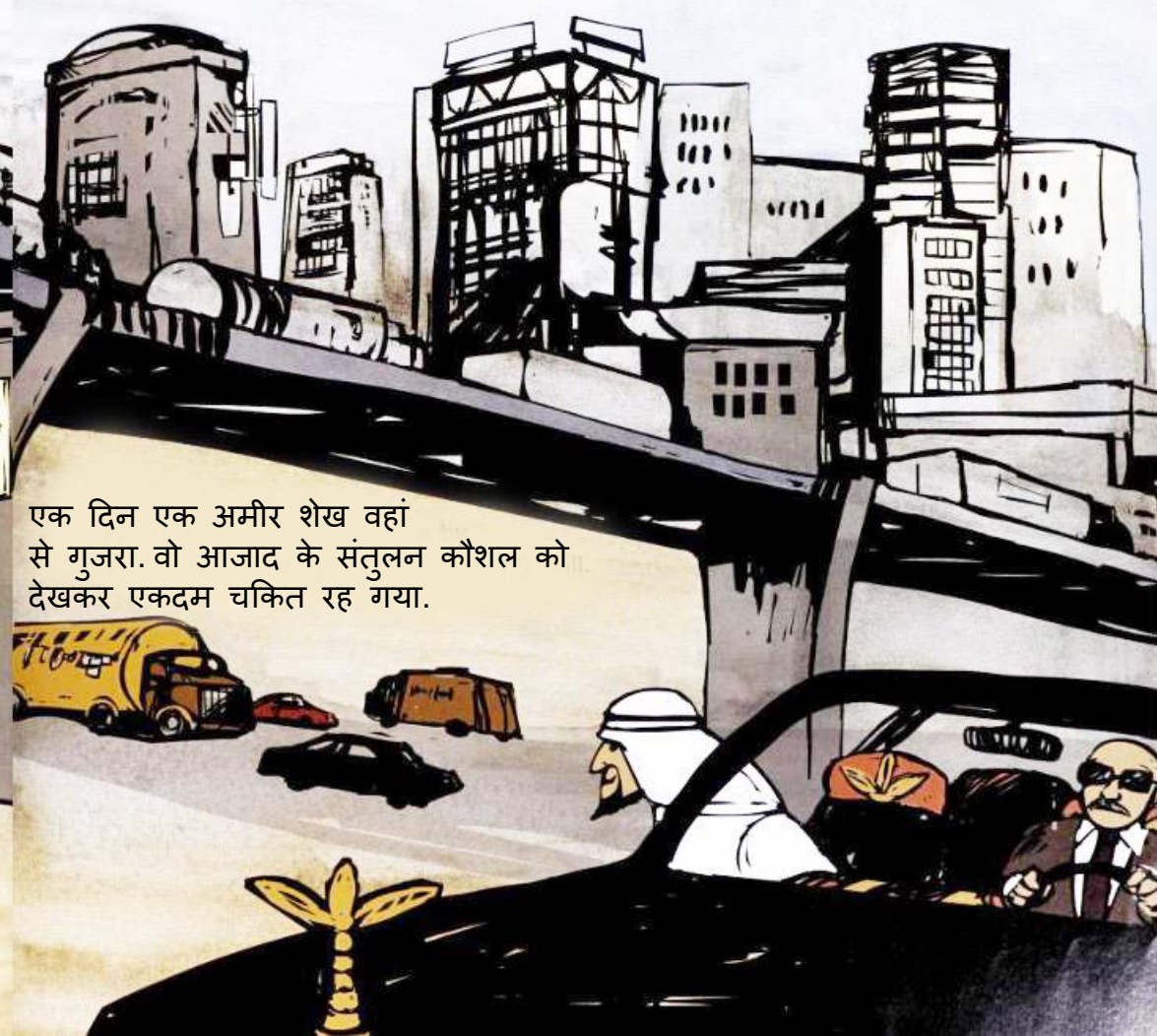

एक दिन एक अमीर शेख वहां से गुजरा. वो आजाद के संतुलन कौशल को देखकर एकदम चकित रह गया.

बाद में शेख, आजाद के चाचा से मिलने आया.

"मुझे उस लड़के को दे दो," उसने कहा. "मैं उसे ऊंट सवार (जॉकी) बनने की ट्रेनिंग दूंगा. एक दिन वो बहुत प्रसिद्ध होगा."

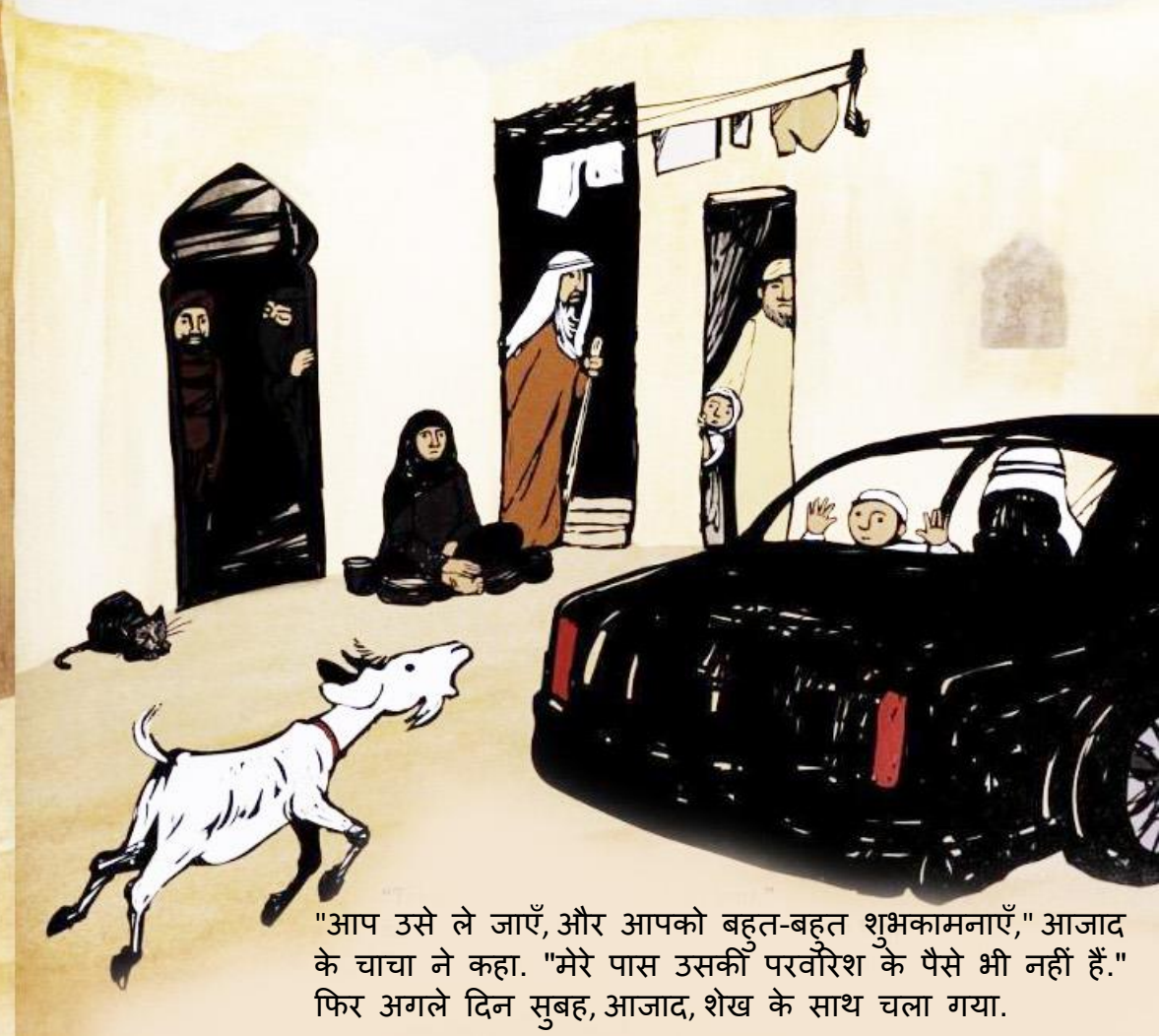

"आप उसे ले जाएँ, और आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएँ," आजाद के चाचा ने कहा. "मेरे पास उसकी परवरिश के पैसे भी नहीं हैं." फिर अगले दिन सुबह, आजाद, शेख के साथ चला गया.

शेख आज़ाद को एक तंबू में ले गया जहाँ बहुत सारे बच्चे सो रहे थे. जाने से पहले, उसने आज़ाद के कान में फुसफुसाते हुए कहा, "तुम बातें करने वाले ऊंटों और रेगिस्तान के भटकते लोगों के बारे में अजीबो गरीब कहानियां सुनोगे. मेरी सलाह मानो - उनकी बातों पर यकीन मत करना!

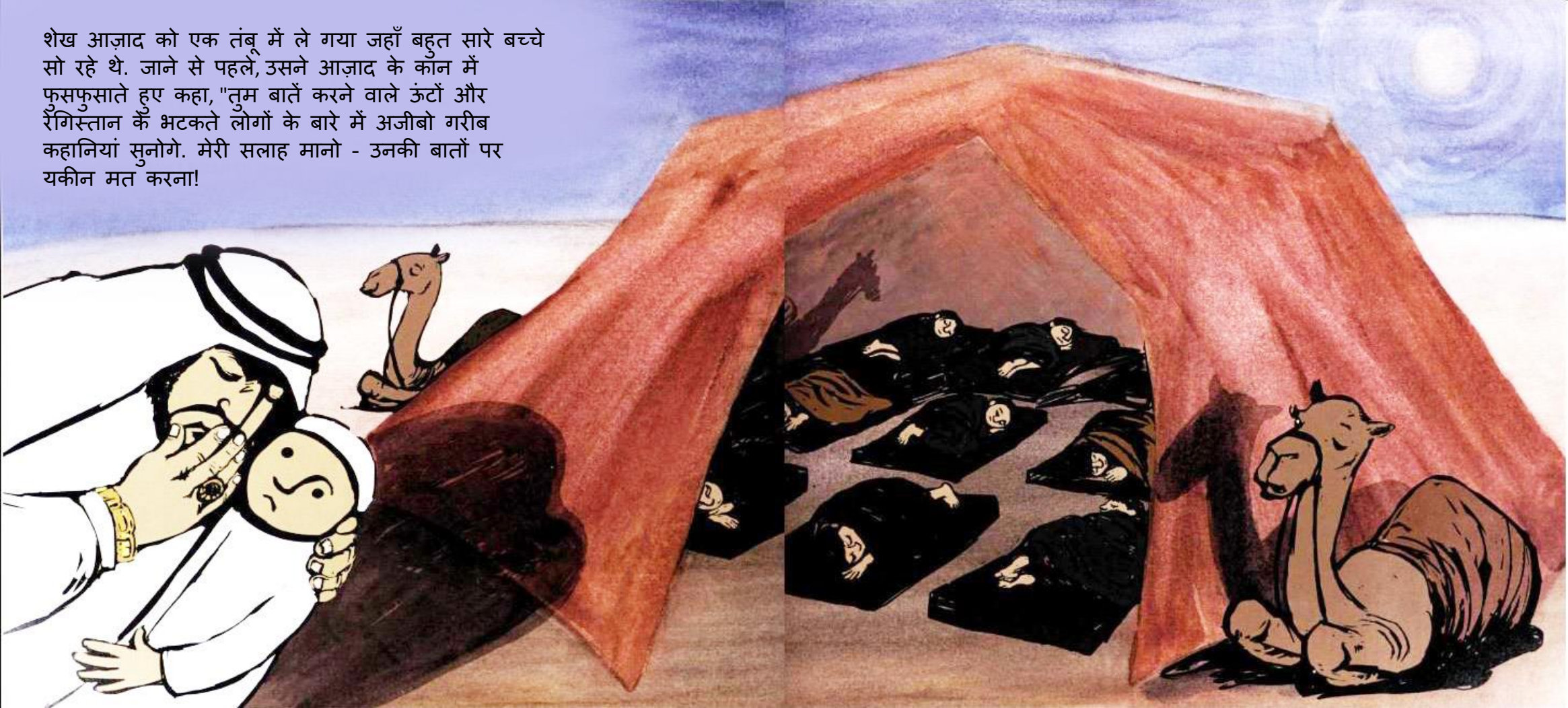

अगली सुबह, एक आदमी आया और बच्चों पर चिल्लाया:
"उठो, आलसी लड़को! जाओ और ऊंटों को खिलाओ!"

"क्या मैं कुछ नाश्ता कर सकता हूँ?"
आजाद ने शरमाते हुए पूछा.

वो आदमी खिलखिलाकर हंस पड़ा.

"यहाँ पर तुम्हें अपना नाश्ता कमाना होगा!" वो चिल्लाया.

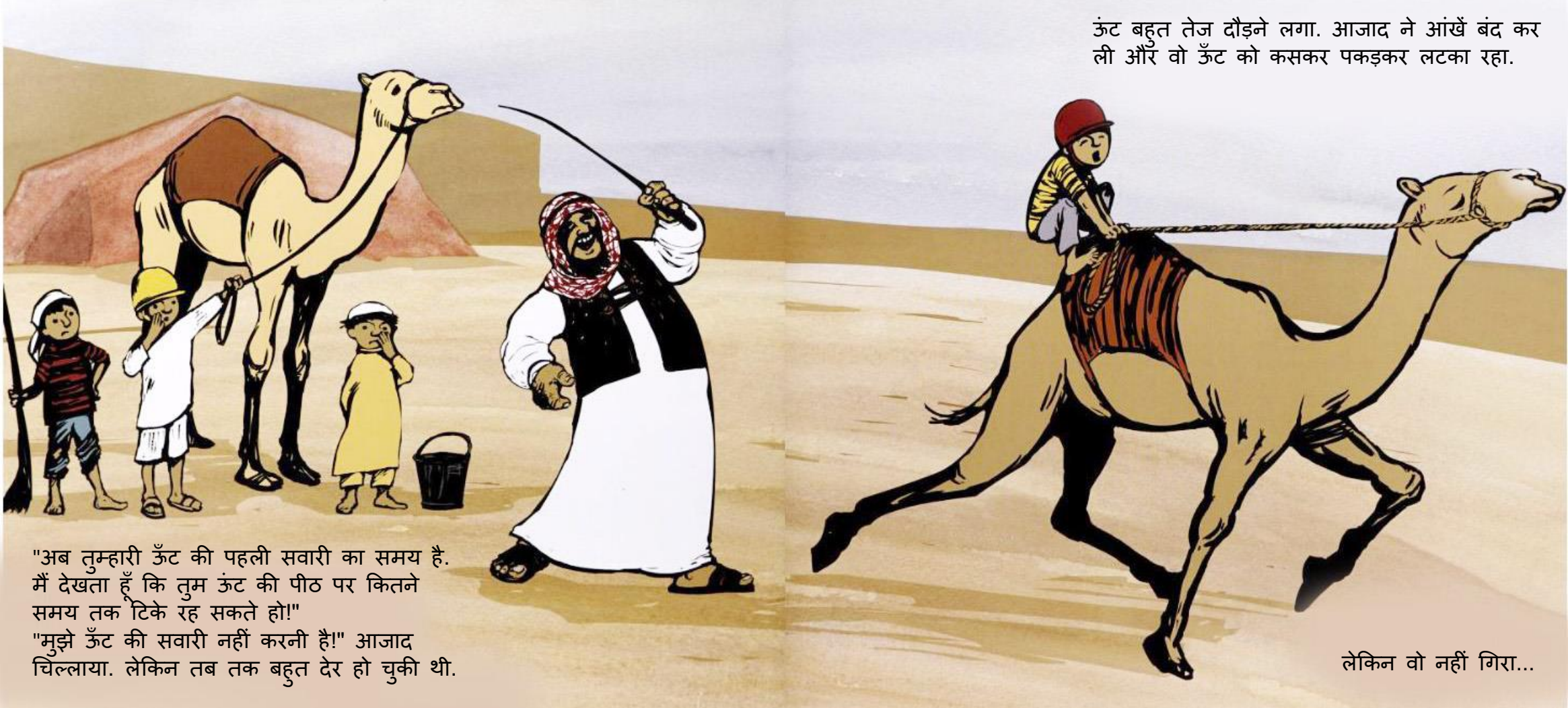
"अब तुम्हारी ऊँट की पहली सवारी का समय है. मैं देखता हूँ कि तुम ऊंट की पीठ पर कितने समय तक टिके रह सकते हो!"
"मुझे ऊँट की सवारी नहीं करनी है!" आजाद चिल्लाया. लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी.
ऊंट बहुत तेज दौड़ने लगा. आजाद ने आंखें बंद कर ली और वो ऊँट को कसकर पकड़कर लटका रहा.
लेकिन वो नहीं गिरा...

उससे ट्रेनर काफी प्रभावित हुआ, और उस दिन
एक ऊंट दौड़ में उसने आजाद को भाग लेने दिया.
यह कई रेसों में से पहली रेस थी ...

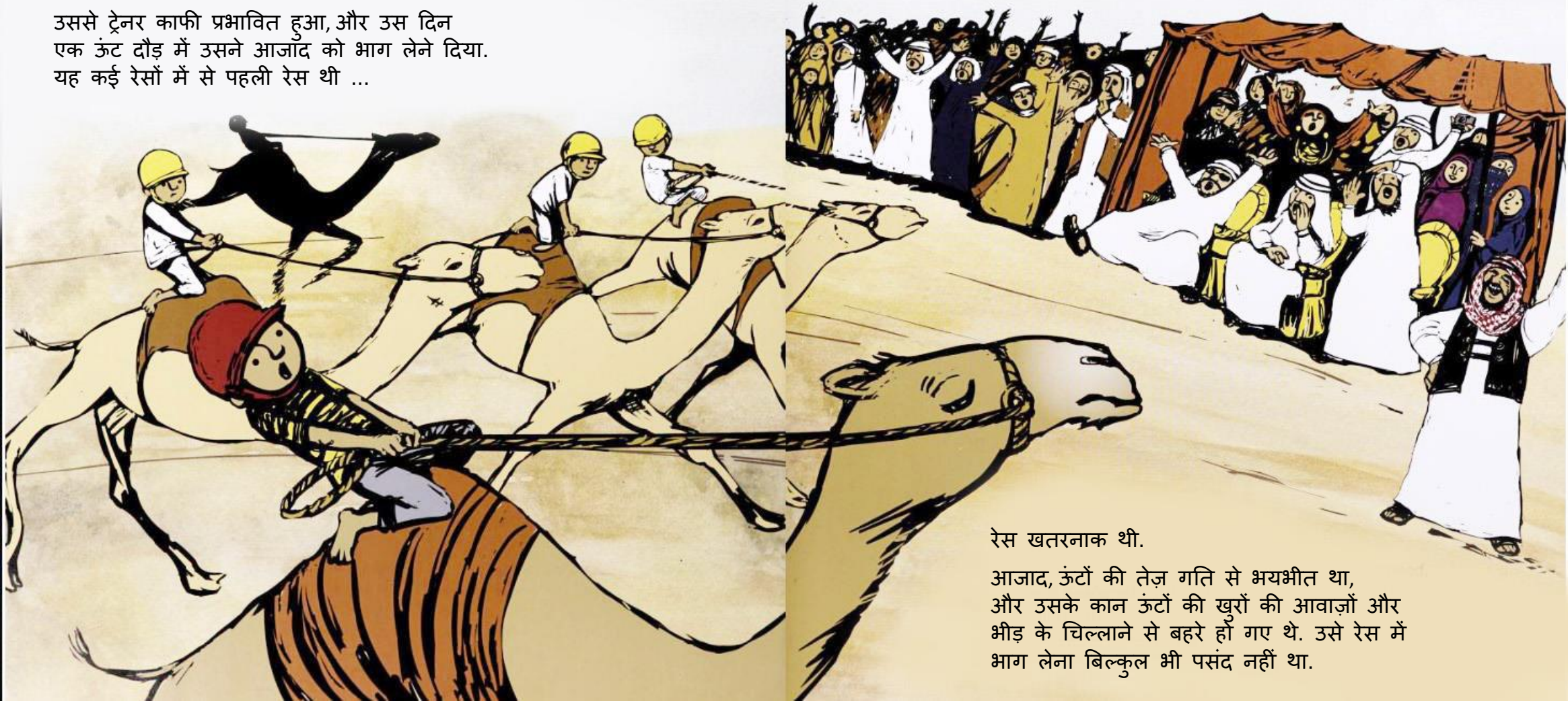

रेस खतरनाक थी.

आजाद, ऊंटों की तेज़ गति से भयभीत था,
और उसके कान ऊंटों की खुरों की आवाज़ों और
भीड़ के चिल्लाने से बहरे हो गए थे. उसे रेस में
भाग लेना बिल्कुल भी पसंद नहीं था.

अक्सर आज़ाद बाद में सो नहीं पाता था. वो घंटों बाहर बैठकर तारों को घूरता रहता था.
एक रात एक अजीब आवाज ने कहा: "तुम यहाँ क्या कर रहे हो?"
आजाद ने ऊपर देखा. वो उसके ऊँट असफ़ूर की आवाज़ थी.
"तुम बातें कर रहे हो!" आजाद ने पूछा.
"बेशक. मैं सिर्फ कुछ ख़ास लोगों से ही बातें करता हूं."

"मैं कल रेस में भाग नहीं लेना चाहता हूँ," आजाद ने कहा. "मुझे डर लग रहा है."
"मुझे भी," असफूर ने आह भरते हुए कहा. "और एक दिन मैं उतनी तेज़ नहीं दौड़ पाऊंगा जितनी तेज़ मैं अभी दौड़ता हूं, और फिर मुझे मारकर शेख की खाने की मेज पर परोसा जायेगा."
"वो तो बहुत ही भयानक होगा!" आजाद ने कहा. "हम कैसे बच सकते हैं?"
"हम्म," ऊंट ने उत्तर दिया. "मुझे पता है कि हमें कहाँ जाना चाहिए. बस कल तुम मुझे बहुत कसकर पकड़कर रखना."

अगले दिन रेस में, आजाद और उसके ऊंट ने पहले फिनिशिंग लाइन पार की! लेकिन इस बार वे वहां रुके नहीं. असफूर दौड़ता ही रहा.

"रुको!" शेख चिल्लाया. "वापस लौटो!" ट्रेनर चिल्लाया ...

लेकिन आजाद और असफूर बहुत तेज थे.

MAGIC OF ARABIA tours
वे दौड़े और दौड़े और
अंत में वो शहर से
बहुत दूर निकल गए.

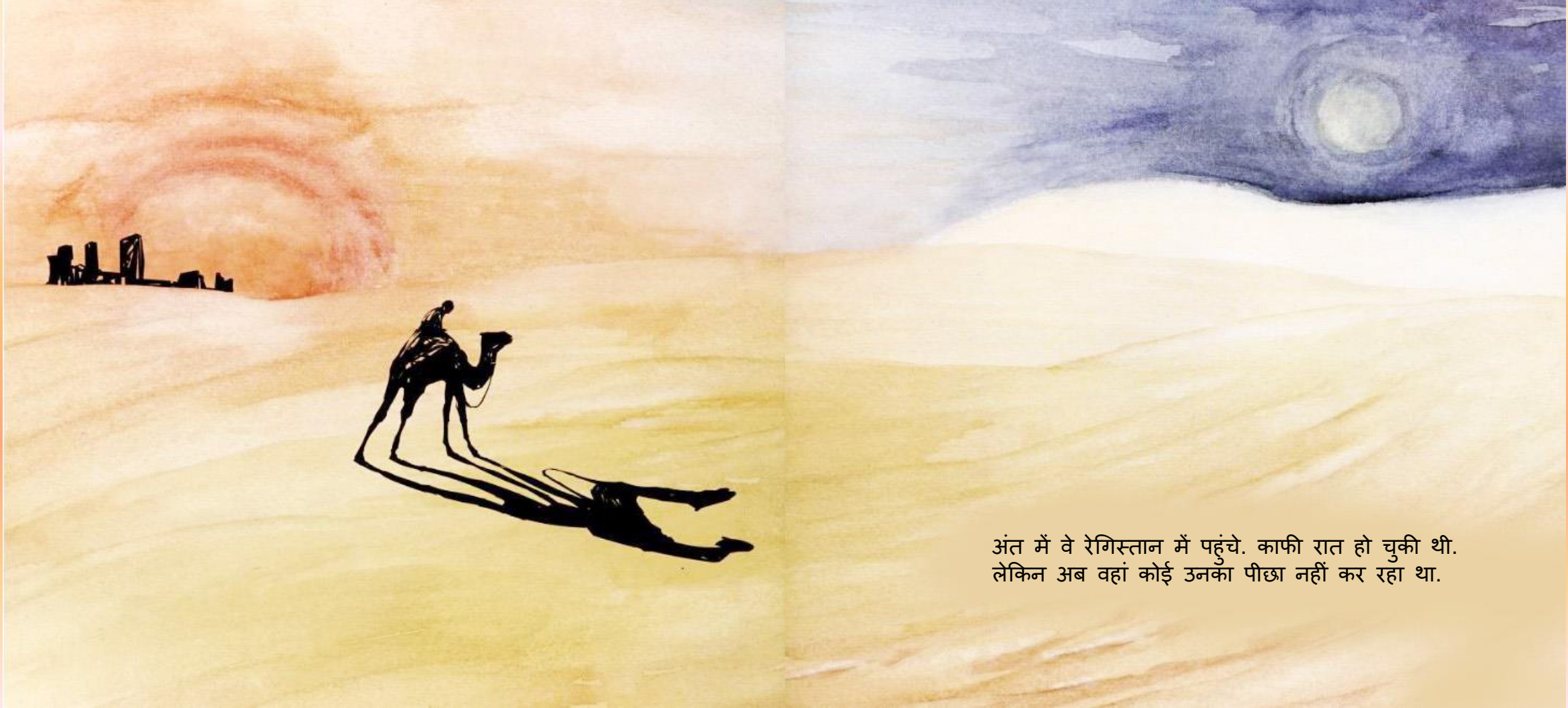

अंत में वे रेगिस्तान में पहुंचे. काफी रात हो चुकी थी.
लेकिन अब वहां कोई उनका पीछा नहीं कर रहा था.

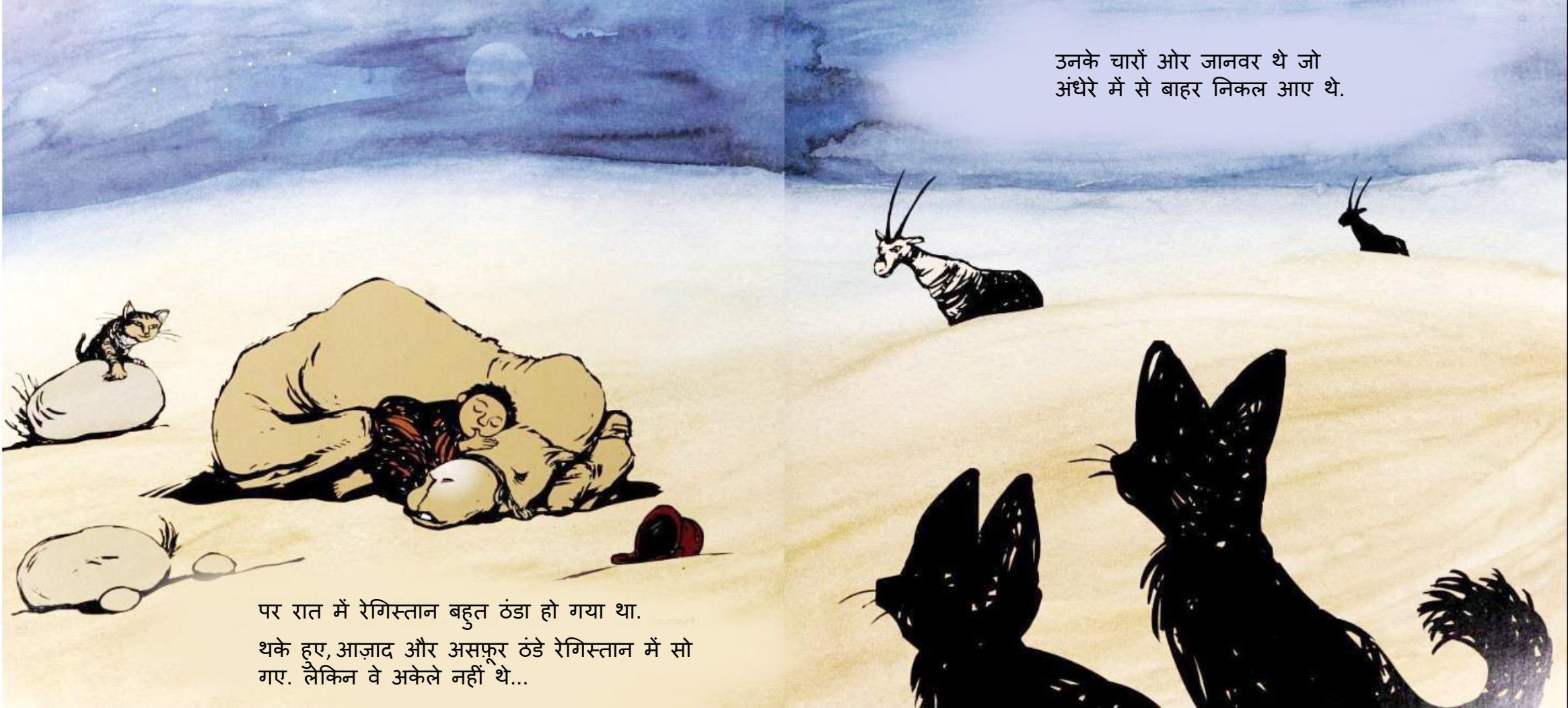

पर रात में रेगिस्तान बहुत ठंडा हो गया था.

थके हुए, आज़ाद और असफ़ूर ठंडे रेगिस्तान में सो गए. लेकिन वे अकेले नहीं थे...

उनके चारों ओर जानवर थे जो
अंधेरे में से बाहर निकल आए थे.

ओरिक्स हिरन, रेगिस्तानी लोमड़ियां और एक रेत बिल्ली
उन्हें गर्म रखने के लिए एक साथ आकर सो गए.

भोर होते ही वे जानवर, टीलों के पीछे गायब हो गए.

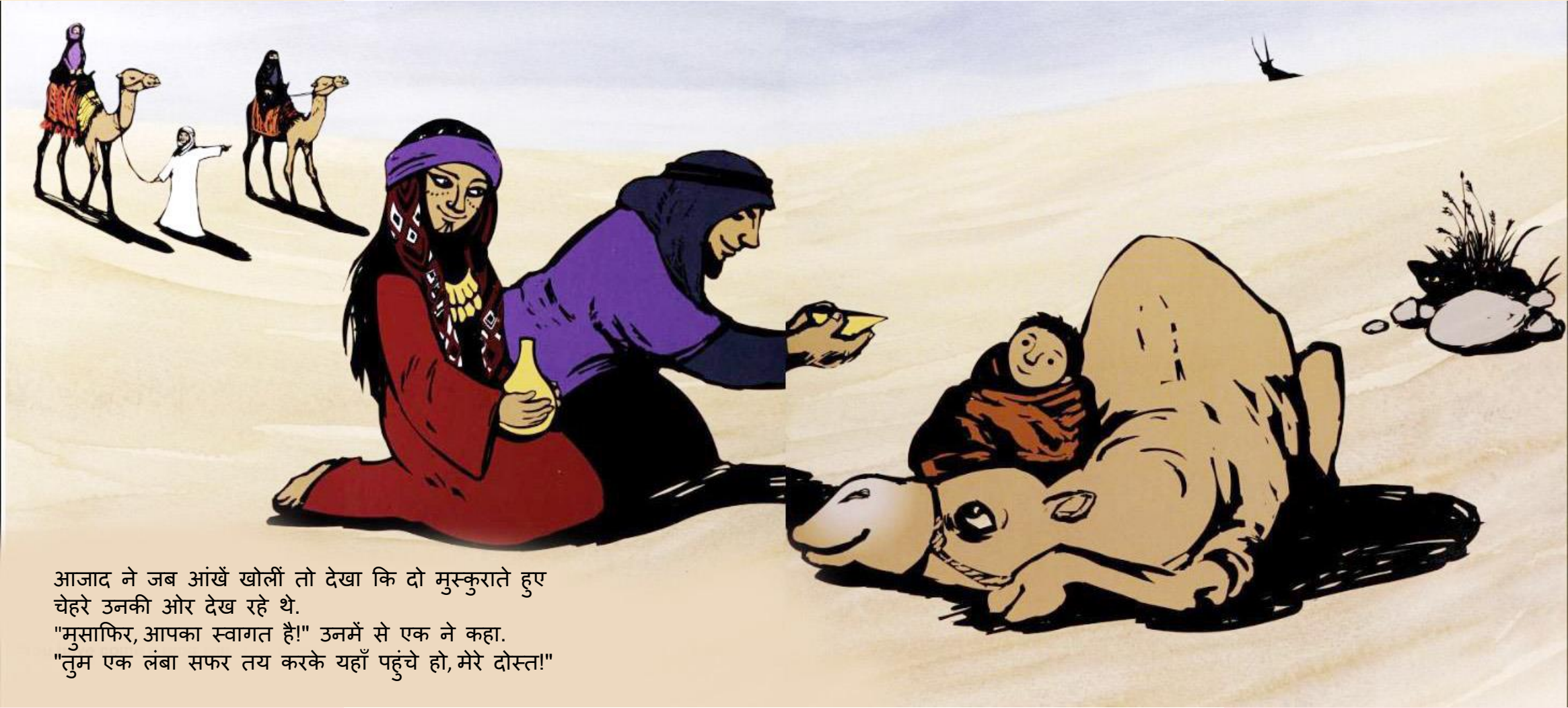

आजाद ने जब आंखें खोलीं तो देखा कि दो मुस्कुराते हुए चेहरे उनकी ओर देख रहे थे.
"मुसाफिर, आपका स्वागत है!" उनमें से एक ने कहा.
"तुम एक लंबा सफर तय करके यहाँ पहुंचे हो, मेरे दोस्त!"

उस शाम, जब आज़ाद और असफ़ूर आग के चारों ओर स्थानीय बेडौइन लोगों के साथ बैठे, तब उनमें से एक ने अपने रबाब पर एक गीत बजाया. उसने एक बहादुर छोटे लड़के और उसके ऊंट के बारे में गीत गाया ...

..जिन्हें आखिर में उनका घर मिल गया था.

ऊंट रेसिंग के बारे में

मध्य पूर्व के खाड़ी राज्यों में ऊंट रेसिंग एक लोकप्रिय खेल है. ऊंट की रेस में छोटे लड़कों का जॉकी (सवार) के लिए इस्तेमाल पाकिस्तान, बांग्लादेश, सूडान आदि देशों में किया जाता है. उसके लिए कुछ गरीब परिवारों को पांच साल की उम्र में ही बेटों को बेचने के लिए राजी किया जाता है. उन लड़कों को ट्रेनिंग के लिए ले जाया जाता है और अक्सर उनके साथ बुरा व्यवहार किया जाता है. उसमें कई दुर्घटनाएं भी होती हैं. जब कोई छोटा जॉकी रेसिंग ऊंट से गिरता है, तो उसे गंभीर चोट भी लग सकती है.

कतर, ओमान और संयुक्त अरब अमीरात ने छोटे लड़कों को जॉकी के लिए इस्तेमाल किए जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है. वहां छोटे लड़कों को उनके परिवारों को वापिस लौटाया जा रहा है ताकि वे स्कूल जा सकें और सामान्य जीवन जी सकें. अधिकांश बच्चे वापस जाने को उत्सुक होते हैं, लेकिन कुछ अपने सौतेले पिता या परिवारों के पास नहीं लौटना चाहते हैं जिन्होंने उन्हें बेंचा था. उन लड़कों के लिए अन्य घर खोजे जाते हैं.

संयुक्त अरब अमीरात में अब जॉकी के बजाय रोबोट का उपयोग किया जा रहा है, लेकिन कुछ मध्य पूर्वी देशों में अभी भी छोटे बच्चों को ऊंटों की दौड़ के लिए मजबूर किया जाता है, और इस प्रकार बाल तस्करी का व्यापार अभी भी जारी है.

अंत